आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 141 | उज्जैन, सोमवार 14 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सदैव रहेगा प्रासंगिक-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर का अहिंसा परमो धर्म का संदेश सभ्यता के प्रारम्भ से ही प्रासंगिक रहा है और भविष्य में भी रहेगा। महावीर स्वामी की शिक्षाएं हमें शांति, सद्भाव और आपसी समझ की राह दिखाती हैं। हम ÷जियो और जीने दो÷ सिर्फ कहने के लिए नहीं कहते इसे आत्मसात कर जीवन में भी उतारते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड की घोषणा राज्य सरकार द्वारा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन

कांफ्रेंस के शपथ विधि समारोह को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जैन समाज जियो और जीने दो÷ के सिद्धांत का जिस प्रतिबद्धता से पालन करता है वह अनुकरणीय है। सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह जैसे जीवन के मूल सिद्धांतों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा हमें महावीर स्वामी और शेष तीर्थंकरों के माध्यम से प्राप्त होती है। जीव मात्र पर दया के संकल्प का जैन समाज द्वारा अनुसरण सराहनीय है। जैन धर्म हमें अनुशासित रहकर सेवा करने की सीख देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में भगवान महावीर जयंती के अवसर पर विश्व नवकार महामंत्र के माध्यम से समस्त संसार के कल्याण की प्रार्थना की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस अवसर पर दिए गए नए संकल्प वर्तमान परिस्थितियों में सभी के कल्याण और प्रकृति के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सामाजिक, आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टि से भी विश्व को दिशा दे रहा है।

पेगासस स्पाइवेयर के जरिये जिनकी जासूसी हुई, उनका ब्योरा दे केंद्र, कांग्रेस ने सरकार से कर दी बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अमेरिका की अदालत में हुए हालिया राजफाशों के बारे में बताएं जिसमें 100 भारतीयों की पेगासस स्पाइवेयर के जरिये जासूसी का उल्लेख है। साथ ही कहा कि सरकार को उन 100 भारतीयों का ब्योरा देना चाहिए।

पेगासस का इस्तेमाल 100 भारतीयों का मोबाइल हुआ हैक- कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि यह स्पष्ट है कि पेगासस का इस्तेमाल 100 भारतीयों के मोबाइल फोन को हैक करने के लिए किया गया। उन्होंने इस मामले की न्यायालय द्वारा जांच की मांग की।

सुरजेवाला ने कहा कि पेगासस सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी एनएसओ ने कहा है कि जासूसी साफ्टवेयर के लाइसेंस सरकारों द्वारा लिए गए थे। उन्होंने कहा कि क्या यह साबित नहीं करता कि मोदी सरकार ने जासूसी के लिए पेगासस खरीदा? कांग्रेस नेता ने सरकार से यह भी पूछा कि साफ्टवेयर खरीदने की अनुमति किसने दी।

तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा भारतीय परिवार, जस्टिस नागरत्ना ने महिलाओं को लेकर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने शनिवार को कहा कि भारत में परिवार की संस्था आज तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रही है। यह बदलाव न केवल परिवारों की संरचना और कार्यप्रणाली पर, बल्कि कानूनी व्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रहे हैं।

बदलाव कई कारकों से प्रेरित- उन्होंने कहा कि यह बदलाव कई कारकों से प्रेरित है, जिसमें आम शिक्षा तक अधिक पहुंच, बढ़ता शहरीकरण, व्यक्तिगत आकांक्षाओं से लेकर कार्यबल की अधिक गतिशीलता और शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाओं की बढ़ती आर्थिक स्वतंत्रता शामिल है। कानून ने भी इस बदलाव में मदद की है।

परिवार- भारतीय समाज का आधार विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में जस्टिस नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया कि हर सभ्यता में परिवार को समाज की मूलभूत संस्था के रूप में मान्यता दी गई है। यह हमारे अतीत से जुड़ने और हमारे भविष्य के लिए सेतु है। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा और रोजगार के कारण महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति को समाज द्वारा सकारात्मक रूप से देखा जाना चाहिए और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

स्थिति और बिगड़ जाएगी, जल्द लागू करें AFSPA', मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा के बाद बीजेपी सांसद की बड़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ बंगाल के मुर्शिदाबाद सहित कई जिलों में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा देखने को मिली है। मुर्शिदाबाद में फैली हिंसा में तीन लोगों की जान जा चुकी है।

इस बीच पुरुलिया से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य के कुछ सीमावर्ती जिलों को सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) के तहत 'अशांत क्षेत्र' घोषित करने का आग्रह किया है। सांसद ने हिंदू समुदाय पर बार-बार हमले होने का आरोप लगाया है।

बीजेपी ने राज्य सरकार पर लगाए ये आरोप- दअसल, महतो ने रविवार को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद, मालदा, नदिया और दक्षिण 24 परगना जैसे जिलों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुई हैं, लेकिन राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार ने 'तुष्टीकरण' की राजनीति के कारण 'आंखें मूंद' ली हैं। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कि हाल ही में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में 86 से अधिक हिंदुओं के मकानों और दुकानों को लूटा गया या नष्ट कर दिया गया तथा हरगोबिंद दास नामक व्यक्ति और उसके बेटे समेत कुछ लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि झाउबोना गांव में पान के बागानों में आग लगा दी गई।

पुलिस बल को बनाया जा रहा निशाना- सांसद ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में भी इसी तरह की अशांति फैली है। वक्फ संशोधन कानून को लेकर भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए महतो ने आरोप लगाया कि भीड़ ने हिंदुओं के मकानों, सार्वजनिक संपत्ति और यहां तक कि पुलिस बलों पर भी हमला किया।

कर्नाटक में जाति जनगणना रिपोर्ट पेश, पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट में पिछड़े समुदायों के लिए आरक्षण को मौजूदा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है।

सूत्रों के अनुसार जाति आधारित जनगणना से पता चला है कि राज्य में पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 70 प्रतिशत है। इससे पहले बिहार सरकार ने भी जाति आधारित जनगणना करवाई थी।

रिपोर्ट में तमिलनाडु और झारखंड का उदाहरण दिया गया

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में तमिलनाडु और झारखंड का उदाहरण दिया गया है, जो पिछड़े वर्ग की आबादी के अनुसार क्रमश- 69 और 77 प्रतिशत आरक्षण प्रदान दे हैं।

बिहार में ऐसा है मामला- बिहार सरकार ने भी जाति आधारित जनगणना रिपोर्ट के आधार पर राज्य में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण कोटा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया था। इस कानून को पटना हाई कोर्ट ने रद कर दिया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

सर्वेक्षण शुरू में 2015 में एच. कंथराज द्वारा कराया गया था और बाद में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने इसे पूरा किया और फरवरी 2024 में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को रिपोर्ट सौंपी। पिछले दिनों यह रिपोर्ट राज्य कैबिनेट में पेश की गई।

रेलवे में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियों के नाम पर हो रहा खेल, कई मानक फेल...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मियों के नाम पर बड़ा खेल हो रहा है। यहां तक कि इन अस्थाई सफाई कर्मियों की पुलिस वेरिफिकेशन तक नहीं करवाई जा रही जिसको लेकर भी सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रेलवे का करोड़ों रुपये प्रतिमाह इन अस्थाई कर्मियों के हाथों में सीधे जा रहा है। एक तरफ डिजिटल इंडिया के युग में सरकारी योजनाओं का पैसा भी लाभपात्रों के खाते में आ रहा है वहीं दूसरी ओर रेलवे जैसे महत्वपूर्ण विभाग में भी आउटसोर्सिंग में नकद रुपये हाथ में देने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर ट्रंप का यू-टर्न, भारत को फायदा पर चुनौतियां भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला लेकिन बहुप्रतीक्षित फैसला लेते हुए स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटा दिया है। यह बदलाव 5 अप्रैल 2025 से लागू हो गया है। इस फैसले ने वैश्विक टेक जगत में राहत की लहर दौड़ गई है, खासकर उन कंपनियों के लिए जिनकी मैन्युफैक्चरिंग सप्लाई चीन और भारत जैसे देशों से जुड़ी है। Apple, Samsung, Xiaomi जैसी दिग्गज कंपनियों को इससे भारी राहत मिल सकती है। जहां चीन को तात्कालिक रूप से बड़ा व्यापारिक लाभ मिलने की उम्मीद है, वहीं भारत के लिए यह एक रणनीतिक अवसर है, मैन्युफैक्चरिंग में अपनी पकड़ मजबूत करने और अमेरिकी कंपनियों के लिए वैकल्पिक सप्लायर बनने का।

फैसला क्या है - सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर जाएं तो अमेरिका ने शनिवार को ऐलान किया कि 5 अप्रैल 2025 के बाद आयात होने वाले स्मार्टफोन, कंप्यूटर और चिप-आधारित उत्पादों को टैरिफ से छूट दी है। कंपनियां जो पहले ही टैरिफ चुका चुकी हैं, वे रिफंड के लिए आवेदन कर सकती हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ Apple, Samsung, Xiaomi जैसी कंपनियों को होगा, जिनकी सप्लाई चेन चीन और भारत दोनों से जुड़ी है।

चीन को तुरंत राहत लेकिन नुकसान भी- अमेरिका के इस कदम से चीन को तुरंत राहत मिलेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 145त्न कर दिया है। इसके जवाब में चीन ने अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 125त्न कर दिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स पर ट्रंप सरकार के कदम से चीन से अमेरिका को होने वाले टेक निर्यात में सीधा बढ़ावा होगा। अमेरिकी बाजार में कम कीमत पर चीनी प्रोडक्ट्स की वापसी संभव। Foxconn, Xiaomi, Lenovo जैसी कंपनियां पहले से चीन में बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करती हैं।

दूसरी ओर अमेरिका की टैरिफ नीति अब भी अनिश्चित है, लेकिन कभी भी वापसी संभव है। अमेरिका का सुरक्षा-आधारित नियम अब भी लागू है। लंबी अवधि में अमेरिका चीन पर निर्भरता घटाने के मूड में है।

अमेरिका के एरिया 51 में दिखा रहस्यमयी टॉवर, यूज़र्स ने किया एलियन तकनीक का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व में कई देशों में कुछ ऐसी जगहे हैं, जिनके बारे में कई रहस्यमयी बातें की जाती हैं। इन जगहों पर आम लोगों को जाने की अनुमति नहीं होती है। इस बीच सोशल मीडिया पर ऐसी ही एक अनोखी जगह के बारे में चर्चा होने लगी है।

दरअसल, अमेरिका के हाई सेक्योरिटी वाली जगह एरिया 51 को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। गूगल अर्थ पर गोपनीय एरिया 51 सैन्य अड्डे के भीतर देखे गए एक रहस्यमयी स्ट्रक्चर के सामने आने के बाद ऑनलाइन एलियन होने के सिद्धांतों ने एक बार फिर नई चर्चा छेड़ दी है।

एरिया 51 लेकर होती है ये चर्चा- बता दें कि अमेरिकी के नेवादा में 2.3 मिलियन एकड़ में फैला बेहद गोपनीय अमेरिकी वायुसेना बेस एरिया 51 पिछले लंबे समय से कई अलौकिक गतिविधियों और एलियन कॉन्सपिरेसी को लेकर चर्चा में रहता है। इस बीच यह टॉप सीक्रेट एरिया 51 गूगल अर्थ पर देखा गया है। यहां पर एक रहस्यमय त्रिकोणीय टावर मौजूद है। इस तस्वीर के सामने आने के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह एलियन तकनीक हो सकती है।

गूगल अर्थ पर तस्वीर सामने आने के बाद बढ़ी चर्चा- जानकारी दें गूगल अर्थ के मैप पर एक लंबी छाया बनाने वाली एक मीनार देखी गई। जिसकी तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। तस्वीर के सामने आने के बाद दुनिया भर के लोग हैरान रह गए। वहीं, इसको लेकर चर्चा की जाने लगी कि ये क्या है।

ये टावर अमेरिका के नेवादा के सुदूर इलाके में स्थित है। ये राज्य के सबसे बड़े शहर लास वेगास के करीब 130 किलोमीटर दूर है। इसकी परछाई काफी बड़ी है, जिसके कारण सूर्यघड़ी जैसी तस्वीर बन जाती है। हालांकि, गूगल मैप ने इस मीनार का कोई नाम नहीं दिखाया गया है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने दी अपनी प्रतिक्रिया - इस तस्वीर के सामने आने के बाद कई लोगों ने अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रिया दी है। कुछ लोगों ने इसकी तुलना गगनचुंबी इमारत, एग्जास्ट वेंट से की है। एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह वही जगह है, जहां पर एलियंस अपने विभिन्न सफेद पाउडर का परीक्षण किया करते हैं।

इसके अलावा एक यूजर ने लिखा कि एरिया 51 वह सुविधा है जिसके बारे में वे आपको बताना चाहते हैं, ताकि वे उन सभी अवैध साइटों पर जो कुछ भी हो सके, उसे स्वतंत्रतापूर्वक कर सकें, जिनके बारे में किसी को पता नहीं है।

क्या है एरिया 51- उल्लेखनीय है कि एरिया 51 को लेकर इंटरनेट पर कई प्रकार की कॉन्सपिरेसी थ्योरी की चर्चा की जाती है। लोगों की इस जगह को लेकर अलग-अलग राय है। कुछ लोगों का मानना है कि एरिया 51 के आसपास एलियंस और यूएफओ भी देखे गए हैं। हालांकि, इसको लेकर कोई पुष्टि आज तक नहीं की जा सकी है।

क्या है मस्क और ट्रंप का टॉप सीक्रेट? सोशल मीडिया पर वायरल हुई मीटिंग की ये तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कैबिनेट की मीटिंग ली थी। इस बैठक से जुड़ी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस फोटो में स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ बैठे दिखाई दे रहे हैं और उनके सामने टेबल पर एक नोटपैड रखा है, जिसमें लिखा है टॉप सीक्रेट।

तस्वीर में दिखाई दे रहा है कि एलन मस्क एक कॉन्फ्रेंस टेबल पर बैठे हैं और उनके सामने उनका नेमप्लेट है, जिसमें उनका नाम लिखा हुआ है। टेबल पर व्हाइट हाउस का नोटपैड भी रखा है, जिस पर नीली स्याही से दो बार रखांकित करके टॉप सीक्रेट लिखा हुआ है।

तस्वीर में एक पेन, एक खाली गिलास और यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के राष्ट्रपति की मुहर वाला एक कोस्टर भी दिखाई दे रहा है। तस्वीर वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने जूम कर-करके टॉप सीक्रेट जानने की कोशिश की और लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी।

सोशल मीडिया पर लोग लगा रहे कयास- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने तरह-तरह के कमेंट किए और एक यूजर ने लिखा, एलन मस्क मीडिया के खेल को जानते हैं, इसलिए उन्होंने कैबिनेट मीटिंग में अपने नोटपैड पर टॉप सीक्रेट लिखा, जिससे मीडिया की नजर उस पर जाए और वो उसकी तस्वीरें खींचे।

बता दें, एलन मस्क ट्रंप सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख हैं, जो सरकारी पैसों की बर्बादी को कम करने और संचालन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य के साथ काम करता है। DOGE ने मस्क की इस तस्वीर पर एक खुशी के आंसू वाला चेहरा इमोजी के साथ रिएक्ट किया है।

मीटिंग में क्या हुआ- यह कैबिनेट मीटिंग 10 अप्रैल को आयोजित हुई थी और इसमें ट्रंप के करीबी लोग शामिल हुए थे। इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर व्यापक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा था।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक और विमान हादसा, एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक बार फिर विमान हादसा हुआ है। रॉयटर के मुताबिक, न्यूयॉर्क में छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि अभी साफ नहीं हो पाया है इस विमान हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं।

हादसे में एक व्यक्ति की मौत की खबर- संघीय उड्डयन प्रशासन और पुलिस ने बताया कि स्थानीयसमयानुसार, शनिवार दोपहर न्यूयॉर्क राज्य की राजधानी अल्बानी से लगभग 50 मील (80 किमी) दक्षिण में छह लोगों को ले जा रहा एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

कोलंबिया काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि मित्सुबिशी रू2क्र विमान दोपहर 12ः15 बजे कोपेक, न्यूयॉर्क में एक कीचड़ भरे मैदान में गिर गया, जो मैसाचुसेट्स राज्य की सीमा के पास है और विमान हडसन, न्यूयॉर्क के पास कोलंबिया काउंटी हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ था। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि अन्य लोग घायल हुए हैं या मौतें हुई हैं।

अधिकारी आज देंगे हादसे की जानकारी - एफएए और स्थानीय शेरिफ कार्यालय दोनों ने कहा कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के अधिकारी रविवार को अधिक जानकारी देंगे।

अमेरिकी टैरिफ से वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत कमी आने की आशंका, लेकिन भारत को होगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष अर्थशास्त्री ने कहा है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के कारण वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आ सकती है। इससे अमेरिका और चीन जैसे बाजारों से निर्यात घट सकता है और इसकी जगह भारत, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों को लाभ हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र की कार्यकारी निदेशक पामेला कोक-हैमिल्टन ने शुक्रवार को जिनेवा में कहा कि व्यापार के तौर-तरीके और आर्थिक एकीकरण में दीर्घकालिक बदलावों के साथ वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आ सकती है।

उदाहरण के लिए मेक्सिको से निर्यात अत्यधिक प्रभावित हुआ है। अब यह अमेरिका, चीन, यूरोप और यहां तक कि अन्य लातिन अमेरिकी देशों जैसे बाजारों से स्थानांतरित हो रहा है। इससे कनाडा, ब्राजील और कुछ हद तक भारत को लाभ हो रहा है।

वियतनामी निर्यात अमेरिका, मेक्सिको और चीन से हट रहा - उन्होंने कहा कि इसी प्रकार वियतनामी निर्यात अमेरिका, मेक्सिको और चीन से हट रहा है, जबकि पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के बाजारों, यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और अन्य बाजारों की ओर काफी बढ़ रहा है।

सूडान में अर्धसैनिक बलों का कहर, एल फशेर में किया भयानक हमला; 114 नागरिकों की हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशेर में पिछले दो दिनों में दो विस्थापन शिविरों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज द्वारा किए गए हमलों में 114 से अधिक नागरिक मारे गए।

क्या है मामला- उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य प्राधिकरण के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, शुक्रवार 12 अप्रैल को ज़मज़म विस्थापन शिविर पर आरएसएफ मिलिशिया द्वारा किए गए क्रूर हमले में 100 से अधिक नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए।

उन्होंने कहा, शनिवार को अबू शौक विस्थापन शिविर पर एक अन्य मिलिशिया हमले में 14 और नागरिक मारे गए, तथा दर्जनों अन्य घायल हो गए।

सैकड़ों की संख्या में लोग हुए घायल

सिन्हुआ के अनुसार, खातिर ने खुलासा किया कि जमजम शिविर में मारे गए लोगों में रिलीफ इंटरनेशनल के नौ कर्मचारी भी शामिल हैं, जो शिविर में एक फील्ड अस्पताल चलाने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है।

स्वयंसेवी समूह इमरजेंसी रूम ने एक बयान में कहा कि अबू शौक शिविर पर आरएसएफ द्वारा भारी गोलाबारी के परिणामस्वरूप शनिवार को 40 नागरिक मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए।

अभी तक करीब 30 हजार लोगों की हुई मौत- आरएसएफ ने हमलों के संबंध में फिलहाल कोई बयान जारी नहीं किया है। बता दें, 10 मई 2024 से सूडानी सशस्त्र बलों और आरएसएफ के बीच एल फशेर में भीषण लड़ाई चल रही है।

अमेरिका में अप्रवासियों को 24 घंटे क्यों साथ रखने होंगे ये दस्तावेज? ट्रंप के नए नियम से H1B वीजा और ग्रीन कार्ड वालों में भी मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने एक नया नियम लागू किया है, जिसके अनुसार अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासी चाहे वो कानूनी रूप से वीजा पर हो, जैसे H1B वीजा या स्टूडेंट वीजा सभी को 24 घंटे कानूनी दस्तावेज अपने साथ रखना होगा।

ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू किया गया यह नियम 11 अप्रैल से चलन में आ चुका है। यह नियम ट्रंप के आदेश 'Protecting The American People Against Invasion' के तहत लागू किया गया है। इस नियम का मकसद है अमेरिका में रहने वाले अवैध अप्रवासियों पर सख्ती करना। अमेरिकी कोर्ट से यह नियम लागू करने की मंजूरी मिल चुकी है।

क्या है नया नियम- अमेरिका में अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिए गए तेज और सख्त फैसलों में से एक है।

ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य है अवैध रूप से रह रहे लाखों लोगों को अमेरिका से बाहर करना।

यह नियम मूलत- उन अप्रवासियों को प्रभावित करता है जो अवैध रूप से या बिना मान्य दस्तावेजों के साथ अमेरिका में रह रहे हैं।

अब अमेरिका में रहने वाले सभी गैर-नागरिक, जिनकी उम्र 14 वर्ष से अधिक है और अमेरिका में 30 दिन या उससे अधिक समय तक रुकते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से फॉर्म G-325R भरकर सरकार के पास पंजिकरण कराना होगा।

कोई बच्चा अगर 14 वर्ष से कम का है, तो उसके माता-पिता को पंजिकरण कराना होगा।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का एक वीडियो, लगा रहा रिहाई की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने शनिवार को इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया। उसे सात अक्टूबर, 2023 को हमास आतंकियों द्वारा पकड़े जाने के बाद से गाजा में रखा गया है।

अलेक्जेंडर इजरायली सेना का सैनिक- वीडियो में वह कह रहा है कि उसे 551 दिनों से गाजा में रखा गया है। वह वीडियो में सवाल करता दिख रहा है कि उसे अभी भी यहां क्यों रखा गया है। वह अपनी रिहाई की गुहार लगाता हुआ दिख रहा है। अलेक्जेंडर इजरायली सेना का सैनिक है। उसके परिवार ने इस वीडियो को सही बताया है।

हमास ने इस तरह के कई वीडियो जारी किए- हमास ने युद्ध के दौरान समय-समय पर इस तरह के कई वीडियो जारी किए हैं। इसका उद्देश्य इजरायल पर दबाव बनाना था। लेकिन, इजरायल ने इन सभी वीडियो को खारिज कर दिया था।

गौरतलब है कि युद्धविराम के बाद 19 जनवरी को हमास ने 38 बंधकों को रिहा किया था। मार्च में इजरायली सेना ने गाजा पर अपना जमीनी और हवाई हमला फिर से शुरू कर दिया।

यूक्रेन में हमलों के बीच रूस ने की ट्रंप की प्रशंसा- रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के रुख के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा की है। कहा कि इस मामले में ट्रंप की किसी अन्य पश्चिमी नेता से बेहतर सोच है। लावरोव ने तुर्किये के एक कार्यक्रम में यह बात कही।

टोल पर आम आदमी को राहत, 3 हजार का वार्षिक पास; इन्हें मिलेगी 50 प्रतिशत की राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस वे में टोल संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रस्तावित नई टोल नीति शुल्क में औसतन 50 प्रतिशत तक राहत देने के साथ ही लोगों को तीन हजार रुपये एकमुश्त खर्च में वार्षिक पास की सुविधा भी प्रदान करेगी। ये पास राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस वे के साथ ही राज्यों के एक्सप्रेस वे पर भी मान्य होंगे।

इसके लिए अलग से पास लेने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि शुल्क फास्टैग अकाउंट के जरिये ही अदा किया जा सकता है। नई टोल नीति लगभग तैयार है और इसकी घोषणा कभी भी की जा सकती है। इसमें टोल गेटों को समयसीमा के भीतर समाप्त करने का संकल्प भी है।

तीन हजार के पास में साल भर दौड़ेगी कार- नई टोल नीति टोल प्लाजाओं की व्यवस्थाओं के बजाय प्रति किलोमीटर निर्धारित शुल्क पर आधारित होगी। मोटे तौर पर सौ किलोमीटर के लिए एक कार को पचास रुपये का टोल शुल्क देना होगा। नई टोल नीति के निर्माण से जुड़े सूत्र के अनुसार, अभी मासिक पास ही जारी किए जाते हैं, जो स्थानीय लोगों को एक टोल प्लाजा पार करने में राहत देते हैं, लेकिन नई नीति में तीन हजार रुपये का वार्षिक पास हासिल कर कोई कार पूरे साल असीमित किलोमीटर की यात्रा कर सकती है और उसे किसी एक्सप्रेस वे अथवा हाइवे पर कोई शुल्क नहीं देना होगा।

इस फार्मूले के तहत होगी क्षति की भरपाई - इसमें सबसे बड़ी अड़चन कंसेसनरों और काट्रैक्टरों के मौजूदा अनुबंध थे, जिनमें इस तरह की सुविधा का कोई प्रविधान नहीं है। सूत्रों के अनुसार, उनकी आपत्तियों को दूर करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय क्षति की भरपाई करने पर सहमत हो गया है। यानी कंसेसनायर अपने टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों का डिजिटल रिकार्ड रखेंगे और उनके दावे और वास्तविक वसूली में जो अंतर होगा, उसकी भरपाई एक फार्मूले के अनुसार सरकार की ओर से की जाएगी।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, 8 लोगों की मौत; कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि कई किलोमीटर दूर तक लोगों ने इसे सुना। इस विस्फोट में फैक्ट्री में काम करने वाले 8 मजदूरों की मौत हो गई।

अनाकापल्ली के पुलिस अधीक्षक तुहिन सिन्हा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए घटना की पुष्टि की। मामले में अभी और जानकारी की प्रतीक्षा है।

सीएम ने घटना पर जताया दुख- आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने अनकापल्ली जिले के कोटावुराटला में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में 8 श्रमिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने घटना के बारे में जानकारी जुटाने के लिए जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और राज्य की गृह मंत्री अनिता से फोन पर बात की। सीएम ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सुविधा मिले। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ितों के परिवारों का समर्थन करेगी और उनसे मजबूत बने रहने का आग्रह किया।

अंतरिक्ष से ऐसा दिखता है भारत, तस्वीर देख आपको खुद नहीं होगा यकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अप्रैल 1984 का वो दिन याद कीजिए, जब भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा स्पेस की यात्रा पर गए थे। तब स्पेस से उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से बात की थी। जब इंदिरा ने उनसे पूछा कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है, तो राकेश शर्मा का जवाब था- सारे जहां से अच्छा।

अंतरिक्ष से भारत को देख पाने का ख्वाब हर किसी का भले ही न पूरा हो, लेकिन राकेश शर्मा की ये बात आज भी भारतीयों के मन-मस्तिष्क में बसी हुई है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने अंतरिक्ष से कुछ तस्वीरें जारी की हैं। इसमें भारत की भी तस्वीर है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने जारी की तस्वीर- दरअसल इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया, जिसका कैप्शन था- जब आप ऊपर तारे, नीचे शहर की रोशनी और पृथ्वी के क्षितिज पर छाई वायुमंडलीय चमक देख सकते हैं। इसके साथ आईएसएस ने चार तस्वीरें भी पोस्ट कीं।

इन तस्वीरों में मिडवेस्ट यूनाइटेड स्टेट्स, भारत, साउथ ईस्ट एशिया और कनाडा की तस्वीर है। इसमें भारत की तस्वीर देख राकेश शर्मा की तरह आप भी कह उठेंगे कि अंतरिक्ष से भारत सारे जहां से अच्छा दिखता है।

हिंदुओं और गैर मुस्लिमों की संपत्ति पर वक्फ कानून में जारी आदेश हो बेअसर, सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक यही माना जा रहा था कि वक्फ कानून के मामले में मुसलमान या राजनेता ही सुप्रीम कोर्ट पहुंच रहे हैं लेकिन हिंदुओं ने भी वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर वक्फ कानून 1995 और वक्फ संशोधन कानून 2025 को चुनौती दी गई है और इन्हें हिंदुओं और गैर-मुस्लिमों के प्रति भेदभावपूर्ण वाला बताया है।

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर- याचिका में हिंदुओं और गैर मुस्लिमों की संपत्ति वक्फ बोर्ड के नोटिसों, अधिसूचनाओं और आदेशों से सुरक्षित करने की मांग की गई है। कहा गया है कि कोर्ट घोषित करे कि वक्फ कानून 1995 के तहत जारी कोई भी अधिसूचना, आदेश या नियम हिंदुओं और गैर मुस्लिमों की संपत्ति पर लागू नहीं होगा।

जनहित याचिका में वक्फ कानून की धारा 4,5,6,7,8,28,28,52,54,83,85,89 और 101 को संविधान के अनुच्छेद 14,15,25,26,27,300-ए और 323ए के खिलाफ बताते हुए इसे रद करने की मांग की गई है। शीर्ष कोर्ट में यह याचिका उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की रहने वाली पारुल खेड़ा ने दाखिल की है।

बता दें कि केंद्र ने हाल ही में वक्फ संशोधन कानून 2025 बनाया है। मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा इस कानून का विरोध हो रहा है और उसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में दस से ज्यादा याचिकाएं भी दाखिल हो चुकी हैं। केंद्र सरकार ने भी कैविएट दाखिल कर दी है ताकि कोर्ट उसका पक्ष सुने बगैर कोई एकतरफा आदेश जारी न करे।

सुप्रीम कोर्ट 16 अप्रैल को मामले पर सुनवाई करेगा- सुप्रीम कोर्ट 16 अप्रैल को मामले पर सुनवाई करेगा। अभी हाल में दाखिल याचिका में वक्फ कानून यानी 1995 के मूल कानून और 2025 के संशोधित कानून को चुनौती देते हुए कहा गया है कि यह कानून वक्फ संपत्तियों और वक्फ बोर्ड को स्पेशल स्टेटस देता है इसमें वक्फ बोर्ड के पास किसी भी ट्रस्ट या सोसाइटी की संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित करने का अधिकार है जबकि हिंदुओं और गैर मुस्लिम समुदायों के पास ऐसा अधिकार नहीं है।

कैंसर का शक, किडनी भी नहीं सही... तहव्वुर राणा ने बनाया था 33 बीमारियों का बहाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी तहव्वुर राणा किसी भी तरह से भारत नहीं आना चाहता था। उसने हर हथकंडा अपनाया। मगर काम नहीं आया। बस उसे इतना ही हासिल हो सका कि प्रत्यर्पण में भारत को देरी का सामना करना पड़ा। मगर अब तहव्वुर राणा भारतीय एजेंसियों के शिकंजे में है। तहव्वुर राणा ने अपने प्रत्यर्पण को रोकने की खातिर हर कानूनी दांव पेंच को अपनाया।

प्रत्यर्पण के खिलाफ पहुंचा था सुप्रीम कोर्ट- फरवरी में पीएम मोदी के सामने डोनाल्ड ट्रंप ने राणा को भारत भेजने का एलान किया था। इसके बाद उसने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के सामने भारत न भेजने की अपील की थी। उसने दावा किया था कि वह पाकिस्तान मूल का है। इस वजह से उसे वहां प्रताड़ित किया जा सकता है। मगर सुप्रीम कोर्ट ने उसकी अपील को खारिज कर दिया।

वकील ने लिखा पत्र- 33 बीमारियों का दिया हवाला- तहव्वुर राणा के वकील जॉन डी क्लाइन ने 21 जनवरी 2025 को अमेरिकी विदेश विभाग को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने प्रत्यर्पण रोकने की कोशिश की। इसके पीछे 33 से अधिक स्वास्थ्य कारणों और भारत में मिलने वाली यातनाओं का हवाला दिया। हालांकि अमेरिकी प्रशासन ने उनकी एक नहीं सुनी। क्लाइन ने कहा कि तहव्वुर राणा को भारत की जेलों में प्रताड़ित किया जा सकता है। वहां की जेलों की स्थिति अमानवीय है। मुकदमे के इंतजार में राणा स्वास्थ्य कारणों से भारत में ही मर सकता है।

कैंसर का भी जताया शक... मगर नहीं बनी बात - वकील ने तर्क दिया कि भारत भेजने पर राणा को यातना झेलनी पड़ेगी, क्योंकि वह पाकिस्तान मूल का मुसलमान है। अपने पत्र में आगे लिखा कि लॉस एजिल्स की जेल में पांच साल की कैद के बाद राणा की सेहत और खराब हो चुकी है।

बढ़िया चाय और शांत माहौल, मुर्शिदाबाद में हिंसा के बीच यूसुफ पठान की पोस्ट पर बवाल; भाजपा ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ हिंसा भड़की है। इस बीच बहरामपुर से तृणमूल कांग्रेस सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान की इंस्टाग्राम पोस्ट पर बवाल मच गया। भाजपा ने उनकी इस पोस्ट की कड़ी आलोचना की। दो दिन पहले यूसुफ पठान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा की और लिखा कि आरामदेह दोपहर, बढ़िया चाय और शांत माहौल। इन पलों का लुत्फ उठा रहा हूं। मगर उनकी यह पोस्ट जनता की नजरों में खटकने लगी। लोगों ने पोस्ट की टाइमिंग पर सवाल उठाना शुरू कर दिया।

भाजपा ने यूसुफ पठान को घेरा- भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया। उन्होंने कहा कि बंगाल जल रहा है। इसमें ममता बनर्जी की सरकार पूर्ण तरीके से शामिल है। राज्य संरक्षित हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। पुलिस चुप है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदुओं के खिलाफ लक्षित हिंसा हो रही है। गाड़ियों को जलाया जा रहा है। अब तक तीन लोगों की हत्या हो चुकी है। उधर, टीएमसी के सांसद यूसुफ पठान चाय की चुस्की ले रहे हैं। बंगाल जल रहा है। ये चाय पी रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हाईकोर्ट को भी कहना पड़ा कि हम आंख मूंदकर बैठ नहीं सकते। शहजाद ने ममता बनर्जी पर तुष्टिकरण करने का आरोप लगाया।

लोकसभा चुनाव 2024 में युसुफ पठान ने बहरामपुर लोकसभा सीट से दिग्गज कांग्रेस नेता व पांच बार के सांसद अधीर रंजन चौधरी को हराया था। जानकारी के मुताबिक मुर्शिदाबाद के जिन इलाकों में हिंसा भड़की है, वह यूसुफ पठान के निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा नहीं है। मगर उसके आसपास का क्षेत्र उनके निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

इन इलाकों में भड़की हिंसा - मुर्शिदाबाद जिले के अलग-अलग इलाके बहरामपुर, जंगीपुर और मालदा दक्षिण संसदीय क्षेत्र में पड़ते हैं। हिंसा धुलिया, समसेरगंज और सुती में भड़की है। सुती जंगीपुर और धुलिया व समसेरगंज मालदा दक्षिण लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर चल रही अशांति, युद्ध,बम गोला बारूद के बीच....

वैश्विक स्तरपर चल रही अशांति, युद्ध,बम गोला बारूद के बीच रूस-यूक्रेन इजरायल- गाजा में युद्ध व लेबनान सीरिया व यमन में अशांति के बीच एक सकारात्मक पहलू हुआ कि ओमान की राजधानी मस्कट में ईरान अमेरिका के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता हुई, जिसे ईरान ने अप्रत्यक्ष वार्ता बताया तोअमेरिका ने प्रत्यक्ष बताया जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। लंबे समय से दुश्मन रहे ईरान और अमेरिका शनिवार (12 अप्रैल, 2025) को मस्कट में संभावित परमाणु समझौते पर पहुंचने के उद्देश्य से वार्ता किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार (7 अप्रैल, 2025) को चौंकाने वाली घोषणा की थी। परंतु मेरा मानना है कि दुनियाँ के हर देश को वैश्विक शांति के लिए ज़रूरत के अनुसार चार कदम पीछे हटना चाहिए व पावर दिखाने वाले देशों को भी नम्र होकर शांति समझौते करना समय की मांग है।चूँकि अमेरिका ईरान के बीच मस्कट में न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर वार्ता हुई,जो 19 अप्रैल 2025 को फिर बैठने का निर्णय लिया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने,कूटनीति को सद्भावना, सहयोग, मुद्दे सुलझाने के संकल्प कर सकारात्मक नतीजे के अंजाम तक लाना जरूरी है। बता दें यह पूरी जानकारी मीडिया में अपडेट्स के सहयोग से उठाई गई है।

साथियों बात अगर हम मस्कट में 12 अप्रैल 2025 को हुई वार्ता की करें तो,ईरान और अमेरिका के दूतों ने शनिवार को ओमान में तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू की। हालांकि तत्काल कोई समझौता होने की संभावना नहीं थी,लेकिन दोनों देशों के बीच आधी सदी से चली आ रही दुश्मनी के कारण बातचीत में बहुत कुछ दांव पर लगा हुआ है। हाल के दिनों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को धमकी दे रहे हैं कि अगर वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ आम सहमति बनाने में विफल रहता है तो वह ईरान को ऐसा करने से रोकेगा।राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए तेहरान पर हमला करने की धमकी दी है, यदि समझौता नहीं हुआ,इसपर ईरान ने चेतावनी दी है कि वह हथियार स्तर के करीब संवर्धित अपने यूरेनियम भंडार के साथ परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकता है। ईरान ने वार्ता को %अप्रत्यक्ष% बताया,ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा,ये वार्ता ओमानी मेजबान द्वारा नियोजित स्थान पर होगी, जिसमें इस्लामी गणराज्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि हॉल और किनारों में बैठेंगे, तथा ओमानी विदेश मंत्री के माध्यम से एक-दूसरे को अपने विचार और स्थिति से अवगत कराएंगे, जबकि ट्रंप और विटकॉफ दोनों ने वार्ता को प्रत्यक्ष बताया है, ईरानी पक्ष इसे अप्रत्यक्ष वार्ता कहता है।लेकिन दोनों दलों के बीच सीधी वार्ता नहीं हो रही है।दोनों दल अलग-अलग कमरों में बैठे हैं और वे ओमान के विदेश मंत्री के जरिये वार्ता कर रहे हैं। यह जानकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर दी है।

साथियों बात अगर हम ईरान अमेरिका वार्ता के बैकग्राउंड की करें तो,अमेरिका-ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान की शनिवार को अमेरिका के साथ ओमान में बातचीत हुई है। ओमान में हुई इसी बैठक को लेकर ईरान ने बड़ा बयान दिया था। विदेश मंत्री ने कहा था कि ईरान ईमानदारी से न्यूक्लियर डील को अंतिम रूप देने के इरादे से बातचीत में शामिल होने को तैयार है, लेकिन साथ ही उन्होंने साफ किया कि ये वार्ता सीधी नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष होगी, और अमेरिका को पहले ये मानना होगा कि सैन्य विकल्प कोई विकल्प नहीं है।

भीमराव आम्बेडकर

भीमराव रामजी आम्बेडकर, डॉ बाबासाहब आम्बेडकर नाम से लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, लेखक और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) से होने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। उन्होंने श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे।

आम्बेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। व्यावसायिक जीवन के आरम्भिक भाग में वे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। इसके बाद आम्बेडकर भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चर्चाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित की। उन्होंने दलितों के लिए राजनीतिक अधिकारों की तथा सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हिंदू धर्म में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था। सन 1990 में, उन्हें भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। डॉक्टर आम्बेडकर की विरासत में लोकप्रिय संस्कृति में कई स्मारक और चित्रण शामिल हैं। उनका निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ, इसलिए हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस आयोजित किया जाता है।

प्रारंभिक जीवन

आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार कबीर पंथ को माननेवाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे । वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो तब अछूत कही जाती थी और इस कारण उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव सहन करना पड़ता था। भीमराव आम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत रहे थे और उनके पिता रामजी सकपाल, भारतीय सेना की महू छावनी में सेवारत थे तथा यहां काम करते हुये वे सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त की थी।

अपनी जाति के कारण बालक भीम को सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। विद्यालयी पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद छात्र भीमराव को छुआछूत के कारण अनेक प्रकार की कठनाइयों का सामना करना पड़ता था। 7 नवम्बर 1900 को रामजी सकपाल ने सातारा की गवर्न्मेण्ट हाइस्कूल में अपने बेटे भीमराव का नाम भिवा रामजी आंबडवेकर दर्ज कराया। उनके बचपन का नाम भिवा था। आम्बेडकर का मूल उपनाम सकपाल की बजाय आंबडवेकर लिखवाया था, जो कि उनके आंबडवे गाँव से संबंधित था। क्योंकी कोकण प्रांत के लोग अपना उपनाम गाँव के नाम से रखते थे, अतः आम्बेडकर के आंबडवे गाँव से आंबडवेकर उपनाम स्कूल में दर्ज करवाया गया। बाद में एक देवरुखे ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा केशव आम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, ने उनके नाम से आंबडवेकर हटाकर अपना सरल आम्बेडकर उपनाम जोड़ दिया। तब से आज तक वे आम्बेडकर नाम से जाने जाते हैं।

रमाबाई आम्बेडकर, आम्बेडकर की पत्नी- रामजी सकपाल परिवार के साथ बंबई (अब मुंबई) चले आये। अप्रैल 1906 में, जब भीमराव लगभग 15 वर्ष आयु के थे, तो नौ साल की लड़की रमाबाई से उनकी शादी कराई गई थी। तब वे पाँचवी अंग्रेजी कक्षा पढ़ रहे थे। उन दिनों भारत में बाल-विवाह का प्रचलन था।

शिक्षा

आम्बेडकर ने सातारा नगर में राजवाड़ा चौक पर स्थित शासकीय हाईस्कूल (अब प्रतापसिंह हाईस्कूल) में 7 नवंबर 1900 को अंग्रेजी की पहली कक्षा में प्रवेश लिया। इसी दिन से उनके शैक्षिक जीवन का आरम्भ हुआ था, इसलिए 7 नवंबर को महाराष्ट्र में विद्यार्थी दिवस रूप में मनाया जाता हैं। उस समय उन्हें भिवा कहकर बुलाया जाता था। स्कूल में उस समय भिवा रामजी आम्बेडकर यह उनका नाम उपस्थिति पंजिका में क्रमांक - 1914 पर अंकित था। जब वे अंग्रेजी चौथी कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण हुए, तब क्योंकि यह अछूतों में असामान्य बात थी, इसलिए भीमराव की इस सफलता को अछूतों के बीच सार्वजनिक समारोह के रूप में मनाया गया, और उनके परिवार के मित्र एवं लेखक दादा केलुस्कर द्वारा स्वलिखित बुद्ध की जीवनी उन्हें भेंट दी गयी। इसे पढकर उन्होंने पहली बार गौतम बुद्ध व बौद्ध धर्म को जाना एवं उनकी शिक्षा से प्रभावित हुए।

माध्यमिक शिक्षा

1897 में, आम्बेडकर का परिवार मुंबई चला गया जहां उन्होंने एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित शासकीय हाईस्कूल में आगे कि शिक्षा प्राप्त की।

बॉम्बे विश्वविद्यालय में स्नातक अध्ययन

1907 में, उन्होंने अपनी मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और अगले वर्ष उन्होंने एल्फिंस्टन कॉलेज में प्रवेश किया, जो कि बॉम्बे विश्वविद्यालय से संबद्ध था। इस स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने समुदाय से वे पहले व्यक्ति थे।

1912 तक, उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में कला स्नातक (बीए) प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार के साथ काम करने लगे। उनकी पत्नी ने अभी अपने नये परिवार को स्थानांतरित कर दिया था और काम शुरू किया जब उन्हें अपने बीमार पिता को देखने के लिए मुंबई वापस लौटना पड़ा, जिनका 2 फरवरी 1913 को निधन हो गया।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर अध्ययन

1913 में, आम्बेडकर 22 वर्ष की आयु में संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए जहां उन्हें सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय (बड़ौदा के गायकवाड़) द्वारा स्थापित एक योजना के अंतर्गत न्यूयॉर्क नगर स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए तीन वर्ष के लिए 11.50 डॉलर प्रति माह बड़ौदा राज्य की छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी। वहां पहुँचने के तुरन्त बाद वे लिविंगस्टन हॉल में पारसी मित्र नवल भातेना के साथ बस गए। जून 1915 में उन्होंने अपनी कला स्नातकोत्तर (एमए) परीक्षा पास की, जिसमें अर्थशास्त्र प्रमुख विषय, और समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र और मानव विज्ञान यह अन्य विषय थे। उन्होंने स्नातकोत्तर के लिए प्राचीन भारतीय वाणिज्य विषय पर शोध कार्य प्रस्तुत किया। आम्बेडकर जॉन डेवी और लोकतंत्र पर उनके काम से प्रभावित थे।

1916 में, उन्हें अपना दूसरा शोध कार्य, भारत का राष्ट्रीय लाभांश - एक ऐतिहासिक और विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए दूसरी कला स्नातकोत्तर प्रदान की गई, और अन्ततः उन्होंने लंदन की राह ली। 1916 में अपने तीसरे शोध कार्य ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का विकास के लिए अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त की, अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने के बाद 1927 में अधिकृत रुप से पीएचडी प्रदान की गई। 9 मई को, उन्होंने मानव विज्ञानी अलेक्जेंडर गोल्डनवेइज़र द्वारा आयोजित एक सेमिनार में भारत में जातियां- उनकी प्रणाली, उत्पत्ति और विकास नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो उनका पहला प्रकाशित पत्र था। 3 वर्ष तक की अवधि के लिये मिली हुई छात्रवृत्ति का उपयोग उन्होंने केवल दो वर्षों में अमेरिका में पाठ्यक्रम पूरा करने में किया और 1916 में वे लंदन गए। अक्टूबर 1916 में, ये लंदन चले गये और वहाँ उन्होंने ग्रेज़ इन में बैरिस्टर कोर्स (विधि अध्ययन) के लिए प्रवेश लिया, और साथ ही लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में भी प्रवेश लिया जहां उन्होंने अर्थशास्त्र की डॉक्टरेट थीसिस पर काम करना शुरू किया।

8 से बढ़कर 81 पर आ गया यह शेयर, 1 लाख को बना दिया 10.20 लाख, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टॉक निवेश के बेस्ट नियमों में से एक है उचित वैल्यूएशन पर स्टॉक खरीदना और उन्हें लंबे समय अपने पोर्टफोलियो में बनाए रखना। टॉप फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स का कहना है कि भरोसा और स्टॉक को यथासंभव लंबे समय तक रखना, लंबे समय में फंड बनाने का सबसे सरल और आसान तरीका है। धैर्य ही कुंजी है। आज आपको एक ऐसे ही पेनी स्टॉक के बारे में बता रहे हैं, जिसने अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। यह शेयर- अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स का है।

8.01 से बढ़कर 81.73 रुपये पर पहुंचा शेयर- अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयर तीन साल में 8.01 से बढ़कर 81.73 रुपये (11 अप्रैल 2025 का बंद प्राइस) पर पहुंच गए थे। यानी कि अगर किसी ने 11 अप्रैल, 2022 को अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयर 8.01 पर खरीदे होते और आज तक उसे अपने पास रखा होता, तो उसके निवेश तीन साल में 920 प्रतिशत बढ़ गया होता। पिछले एक साल में कुछ बिकवाली दबाव देखने के बाद शेयर में हाल ही में नई खरीदारी देखी गई है। पिछले महीने में अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयर की कीमत में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल के शेयर प्राइस के मुकाबले शेयर अभी भी 9 प्रतिशत नीचे है। पिछले तीन सालों में शेयर में 920 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले साल 11 नवंबर को शेयर ने 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 162.95 और इस साल 7 अप्रैल को 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर 59.93 छुआ था।

निवेशकों को तगड़ा मुनाफा- अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयर हिस्ट्री को ध्यान में रखते हुए, यदि किसी निवेशक ने एक महीने पहले इस स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसके 1 लाख 1.20 लाख हो जाते। दूसरी ओर, पिछले तीन सालों में एक निवेशक के 1 लाख आज 10.20 लाख हो गए होते। हालांकि, यदि निवेशक ने एक साल पहले इस मल्टीबैगर स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो निवेश घटकर 91,000 रह जाता। शुक्रवार को अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयर 10 प्रतिशत बढ़कर 81.73 पर बंद हुए, जिसका ट्रेड वॉल्यूम 60,207 रहा। अल्फा ट्रांसफॉर्मर्स के शेयरों का मौजूदा मार्केट कैप 74.79 करोड़ है।

बाजार के बदले हालात में IPO लाने की तैयारी में जुटी ग्रीन एनर्जी सेक्टर की कंपनी, बैंकर की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एग्रीकल्चर वेस्ट को क्लीन एनर्जी में बदलने वाली कंपनी एसएईएल अगले 12 माह में शेयर बाजार में लिस्टिंग की तैयारी कर रही है। कंपनी के सीईओ लक्षित आवला ने यह जानकारी दी है। कंपनी अपने आईपीओ के प्रबंधन के लिए फिलहाल मर्चेंट बैंकर की तलाश कर रही है।

कंपनी के सीईओ ने आईपीओ के विषय में क्या कुछ बताया- आवला ने नियोजित सार्वजनिक निर्गम के बारे में सकहा कि आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग एसएईएल के ऑपरेशंस को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इसके तहत कंपनी की सेल मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, स्वतंत्र बिजली उत्पादक (आईपीपी) कारोबार और वेस्ट से ऊर्जा पहल के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि एसएईएल दुनिया की एकमात्र 100 प्रतिशत धान आधारित बायोमास अपशिष्ट से एनर्जी ऑपरेटर है और वैश्विक स्तर पर धान के भूसे की सबसे बड़ी एकल औद्योगिक विक्रेता है। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में फैले अपने 11 बायोमास संयंत्रों के माध्यम से कंपनी सालाना लगभग 20 लाख टन एग्रीकल्चर वेस्ट का प्रोसेसिंग करती है। इस प्लांट की स्थापित क्षमता 165 मेगावाट की है।

1 साल में पैसा किया डबल, अब 10 टुकड़ों में बंटेगा शेयर, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस हफ्ते 2 कंपनियों के शेयर का बंटवारा होने जा रहा है उसमें एक कपिल राज फाइनेंस लिमिटेड भी एक है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में किया जाएगा। 100 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक का प्रदर्शन पिछले एक साल में शानदार रहा है। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों का पैसा दोगुना हो चुका है।

मंगलवार को है रिकॉर्ड डेट- शेयर बाजारों को दी जानकारी में कपिल राज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा है कि एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी। कंपनी ने बताया है कि स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट के लिए 15 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी मंगलवार को स्टॉक एक्स-स्प्लिट के तौर पर ट्रेड करेगा।

शेयर बाजार में गदर मचा रही है कंपनी- शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 2.93 प्रतिशत की गिरावट के बाद 68 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। इस साल जब ज्यादातर कंपनियां शेयर बाजार में संघर्ष करती हुई नजर आईं तब यह स्टॉक निवेशकों को मजबूत रिटर्न दिया है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 45 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 240 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

कंपनी का 52 वीक हाई 78.99 रुपये और 52 वीक लो लेवल 18.47 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 74 करोड़ करोड़ रुपये का है। बता दें, 5 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 1500 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। जबकि इसी दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 141 प्रतिशत की तेजी आई है।

750 से टूटकर 1 पर आ गया यह शेयर, निवेशक हुए कंगाल, 1 लाख का निवेश घटकर 208 रह गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्यूनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) के शेयर बीते शुक्रवार को 4त्न से अधिक चढ़कर 1.56 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इससे पहले इसमें लगातार गिरावट आ रही थी। इस साल अब तक यह शेयर 18त्न तक टूट गया और पिछले छह महीने में यह शेयर 37त्न तक की गिरावट आई है। पांच दिन में कंपनी के शेयर 2त्न और महीनेभर में कंपनी के शेयर 5त्न तक चढ़ गए हैं।

कंपनी ने दी यह जानकारी - बता दें कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने हाल ही में कहा है कि 4 अक्टूबर को 30 सितंबर तक 40,413 करोड़ रुपये का कुल वित्तीय कर्ज होने की सूचना दी। इसमें छोटी अवधि और लंबी अवधि दोनों कर्ज शामिल हैं। हालांकि, इस कुल में बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण पर 27,867 करोड़ रुपये का अर्जित ब्याज शामिल नहीं है, न ही इसमें गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) पर 3,151 करोड़ रुपये का ब्याज शामिल है। रिलायंस कम्युनिकेशंस के शेयरों में उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा है। 2007-08 में एक बार 750 रुपये प्रति शेयर से ऊपर कारोबार करने वाले ये शेयर अब पेनी स्टॉक के स्तर पर आ गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, इसके शेयर की कीमतों में 99.72 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस दौरान निवेशकों का 1 लाख रुपये घटकर 208 रुपये रह गया।

इस सप्ताह किस करवट लेगा शेयर बाजार, ट्रंप टैरिफ समेत ये फैक्टर्स करेंगे इफेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीय शेयर बाजारों की दिशा इस कम कारोबारी सेशन वाले सप्ताह में अमेरिकी-चीन ट्रेड वॉर से जुड़े घटनाक्रमों तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी इस सप्ताह बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बता दें कि 'डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर' जयंती के कारण सोमवार को और 'गुड फ्राइडे' के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे।

क्या है एक्सपर्ट की सलाह - मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के निदेशक पुनीत सिंघानिया ने कहा, ''यह सप्ताह वैश्विक और भारतीय बाजारों के

लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है, क्योंकि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध तेज हो गया है और दोनों देश एक-दूसरे पर शुल्क-पर-शुल्क लगा रहे हैं। इससे बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है। घरेलू स्तर पर, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े इस सप्ताह जारी होंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के पहले सप्ताह में एक बड़ी शुल्क योजना का अनावरण किया था। व्हाइट हाउस ने बाद में चीन को छोड़कर ज्यादातर देशों के लिए 'जवाबी शुल्क' को 90 दिन के लिए रोक दिया है। वहीं चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। चीन ने शुक्रवार को अमेरिकी उत्पादों पर अपने अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, जो अमेरिका के 145 प्रतिशत शुल्क के जवाब में था। हालांकि, चीन ने दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के बीच बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है।

अन्य एनालिस्ट की सलाह - रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''आगामी छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित होगा। घरेलू मोर्चे पर बात की जाए, कंपनियों के तिमाही नतीजों पर सभी की निगाह रहेगी। सप्ताह के दौरान आईटी क्षेत्र की दिग्गज विप्रो और इन्फोसिस के अलावा निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के मार्च तिमाही के नतीजे घोषित होंगे।

1 शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट नजदीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनोफी इंडिया लिमिटेड ने निवेशकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया है। कंपनी एक शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड दे रही है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने जो रिकॉर्ड डेट तय किया है वह इसी महीने है। सनोफी इंडिया लिमिटेड 30 से अधिक बार निवेशकों को डिविडेंड दे चुकी है। कंपनी ने पहली बार 2001 में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 4 रुपये का डिविडेंड अपने निवेशकों को दिया था।

हर शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी- शेयर बाजारों को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर 117 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। डिविडेंड के लिए कंपनी ने जो रिकॉर्ड डेट तय किया है वो 25 अप्रैल 2025 है। यानी यही वह तारीख है जब योग्यता तय करने के लिए रिकॉर्ड बुक को खंगाला जाएगा। जिनका रिकॉर्ड बुक में नाम रहेगा उन्हें ही हर एक शेयर पर 117 रुपये मिलेंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खंडवा में पानी के लिए प्रदर्शन- एसडीएम बोले- नहीं हटे तो जेल भेज देंगे, महिलाएं बोलीं- ले चलो वहां पानी तो मिलेगा

खंडवा । नर्मदा जल योजना की मुख्य पाइप लाइन बार बार फूटने से खंडवा शहर में भीषण जलसंकट की स्थिति बनी हुई है। पानी नहीं मिलने से नाराज लोगों ने रविवार को खंडवा डेढ़तलाई राजमार्ग पर जाम लगा दिया। महिलाएं सड़क पर आकर पानी की मांग करने लगीं।

देखते ही देखते रोड के दोनों ही ओर वाहनों के पहिए थम गए। सड़क पर जाम लगाने वाली महिलाओं ने कहा कि हमें पंद्रह दिन से पानी नहीं मिला है। आज जब नर्मदा पाइप लाइन सुधार गई है तो कहा जा रहा है कि आपके क्षेत्र का शेड्यूल नहीं है। टैंकर का पानी इतना गंदा की कपड़े भी नहीं धो सकते टैंकर भेजे जाते हैं लेकिन पानी इतना गंदा आ रहा है कि पीने

क्या कपड़े धोने के लिए भी उपयोग नहीं कर सकते। स्टेट हाइवे पर जाम की सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाली टीआई अशोक चौहान पहुंचे। उन्होंने जाम नहीं लगाने का अनुरोध किया लेकिन लोग नहीं माने।

महिलाएं नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की बात पर अड़ी रहीं। कुछ ही देर में निगम उपायुक्त सचिन सिटोले और एसडीएम बजरंग बहादुर पहुंचे। एसडीएम ने लोगों को चेतावनी दी कि यदि जाम नहीं हटाया तो जेल भेज देंगे। इस पर लोग भड़क गए और अधिकारियों की खरी-खरी सुनाई।

जल्द पानी दिलाने का आश्वासन दिया महिलाओं ने कहा कि हमें जेल ही ले चलो, कम से कम वहां पानी तो मिलेगा। करीब एक घंटे तक यहां अधिकारी जाम लगाने वाले लोगों को मनाने पर अड़े रहे। उपायुक्त सिटोले द्वारा जल्द ही नर्मदा जल की आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिए जाने के बाद जाम हटाया जा सका।

विदित हो कि नर्मदा जल योजना की मुख्य पाइप लाइन नौ दिनों के चार बार फूट चुकी है। इससे पूरे शहर में जल वितरण व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ा चुकी है।

बांधवगढ़ के बाघ बना रहे लोगों को निशाना, कल एक बच्चे को मारने के बाद आज महिला पर किया हमला

उमरिया । उमरिया जिले के विश्वविख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर परिक्षेत्र से समीपी ग्राम ग्राम सेमरिया से लगे जंगल में महुआ बीनने गई एक महिला को बाघ ने हमला कर घायल कर दिया है।

घटना रविवार सुबह की है जब 38 वर्षीय रीना बैगा महुआ बीनने घर से लगे जंगल की ओर गई थी। जहां झाड़ियों में छिपे बाघ ने उस पर हमला कर घायल कर दिया है। घटना की जानकारी के बाद पार्क प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची।

अस्पताल में चल रहा महिला का इलाज

घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कर उपचार कराया जा रहा है। वहीं पार्क प्रबंधन की टीम ने घायल महिला का संपूर्ण उपचार कराने की जिम्मेदारी ली है। परिक्षेत्राधिकारी विजय शंकर श्रीवास्तव ने बताया है कि शनिवार को ग्राम पिपरिया निवासी 14 वर्षीय बालक विजय कोल के ऊपर हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। उसी बाघ के द्वारा महिला के ऊपर हमले की आशंका है।

दो अप्रैल को भी एक महिला की ले ली थी जान

बांधवगढ़ के पंपदा रेंज में 2 अप्रैल को कुशवाहा कोठिया गांव के करीब बाघ के हमले में एक महिला की मौत हो गई थी। उस दौरान भी महुआ बीन रही महिला पर बाघ ने हमला किया था। बार-बार बाघ के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

इस मौसम में महुए नीचे गिर जाते हैं, इन्हें बीनने के लिए ग्रामीण जंगल में जाते हैं। महुआ ही यहां ग्रामीणों की आय का सबसे बड़ा स्त्रोत है। ऐसे में वे अपनी जान जोखिम में डालकर महुआ बीनने के लिए जंगल में जाते हैं।

बस-ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत में ट्रक चालक की मौत, 23 घायल

शहडोल। रीवा मार्ग पर हादसा बस और ट्रक के बीच आमने-सामने हुई भिड़ंत में ट्रक चालक की मौके पर मौत हो गई। वहीं बस में सवार 23 यात्री घायल हो गए। सात यात्री गंभीर चोटिल हैं। घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां सभी का उपचार शुरू हो गया है।

पुलिस ने बताया कि दीपक एंड संस कंपनी की बस क्रमांक एमपी 17 पी 1255 ब्यौहारी से शहडोल की ओर आ रही थी। तभी गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम असवारी में पेट्रोल पंप के पास शहडोल की ओर से जा रहे ट्रक क्रमांक यूपी 70 एनटी 8345 से बस की टक्कर हो गई। टक्कर इतना जोरदार था कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक की ओर लगी टक्कर में ट्रक चालक मिथलेश मिश्रा 40 वर्ष पिता अशोक मिश्रा निवासी कुंडा प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश की मौत हो गई। वहीं, बस में सवार 23 यात्रियों को चोटें आई। जिनमें सात यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सड़क दुर्घटना के बाद मौके पर क्षतिग्रस्त वाहन।

सिरोंज के खेजड़ा गोपाल में दो हिरणों का बेरहमी से शिकार, ग्रामीणों ने एक शिकारी पकड़ा

सिरोंज । सिरोंज के खेजड़ा गोपाल में हिरणों के शिकार का मामला सामने आया है। शिकारियों ने दो हिरणों को पकड़कर बेरहमी से हत्या कर दी। शनिवार पुलिस और वन विभाग का दल मौके पर पहुंचा तो हिरणों के शरीर के टुकड़े बरामद हुए। पशुओं की गर्दन धड़ से अलग थी। घटना को लेकर सिरोंज थाने में एफआईआर भी दर्ज की गई है।

थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक शुक्रवार की रात निरंजन चिढ़ार नामक व्यक्ति अपने गांव के मंदिर पर बैठा हुआ था। तभी पास के गांव खेजड़ा गोपाल की तरफ उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई दी। साथ में दो मोटर साइकिल की लाइट भी नजर आई। निरंजन और गांव का चौकीदार मान सिंह व अन्य लोग गांव के सरपंच धन सिंह यादव के पास गए और घटना के बारे में बताया। उसी दौरान ग्रामीणों की बाइक शिकारियों की बाइक से टकरा गई और वे लोग नीचे गिर गए। मौके का फायदा उठाकर एक शिकारी भाग गया और दूसरा शिकारी मजहर ग्रामीण निरंजन पर बंदूक तान कर खड़ा हो गया। जान से मारने की धमकी देने लगा। उसी दौरान गांव के सरपंच धन सिंह यादव और अन्य लोग आ गए। झूमा झटकी के बाद सबने मिलकर शिकारी मजहर पर काबू पा लिया और बंदूक छीन ली द्य उक्त मामले में विदिशा जिले के सिरोंज थाने में आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

ब्रिटिश अधिकारी के सपने में आए थे हनुमान जी, मंदिर निर्माण के बाद फैक्ट्री की दूर हुई बाधा

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर देश में अपनी सांस्कृतिक विरासत और रक्षा उद्योग के लिए जाना जाता है। आज हनुमान प्राकट्योत्सव में पूरी संस्कारधानी लीन है। लेकिन यहां के लिए एक खास बात यह भी है कि भगवान हनुमान की कृपा इस शहर में ऐसी बरपी की यहां स्थित गन कैरिज फैक्ट्री (जीसीएफ) ने भारत के रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शायद ही लोगों को होगा कि इस फैक्ट्री का निर्माण एक अनोखी कहानी से जुड़ा है। दरअसल जीसीएफ फैक्ट्री की पहाड़ी में पाट बाबा की पहाड़ी है जहां आज हनुमान प्राकट्योत्सव धूम धाम से मनाया जाएगा। कहा जाता है कि इस पाट बाबा और भगवान हनुमान की कृपा से ही जीसीएफ फैक्ट्री का निर्माण पूरा हो सका। यह है मंदिर की कहानी

पाट बाबा मंदिर के मुख्य पुजारी नंदगोपाल तिवारी ने बताया कि 19वीं सदी में, ब्रिटिश अधिकारी स्मिथ जबलपुर में हथियारों के उत्पादन के लिए एक फैक्ट्री बनाना चाहते थे।

उन्होंने जीसीएफ की नींव रखी, लेकिन हर

बार दीवारें गिर जाती थीं। परेशान स्मिथ को एक रात सपने में हनुमान जी दिखाई दिए।

उन्होंने बताया कि फैक्ट्री की जमीन के नीचे उनकी एक प्रतिमा दबी हुई है। सपने में यह देख अगले दिन, स्मिथ ने खुदाई करवाई और वास्तव में हनुमान जी की एक प्रतिमा मिली।

उन्होंने इसे सम्मानपूर्वक इस प्रतिमा को स्थापित किया और 12 अगस्त 1903 को पाट बाबा मंदिर का निर्माण करवाया। इसके बाद, जीसीएफ का निर्माण बिना किसी बाधा के पूरा हुआ।

पाटबाबा मंदिर सेवा समिति के सचिव अमित वसने के अनुसार जीसीएफ के अलावा, जबलपुर में खमरिया फैक्ट्री और व्हीकल फैक्ट्री भी हैं।

इन फैक्ट्रियों ने भारत के कई युद्धों में देश के लिए हथियार और गोला-बारूद बनाए हैं। जबलपुर का रक्षा उद्योग देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

इन्हीं में से जीसीएफ फैक्ट्री की पहाड़ी पर पाट बाबा मंदिर आज जबलपुर का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यहां हनुमान जी, भगवान शिव और देवी दुर्गा के मंदिर हैं।

अध्यक्ष ऋतु राज द्विवेदी ने बताया कि सावन के महीने में यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर परिसर में एक सुंदर उद्यान भी है, जहां लोग शांति और सुकून का अनुभव करते हैं।

पाटबाबा मंदिर के प्रवेशद्वार पर भी दीवार में भगवान हनुमान की कलाकृति बनाई गई है।

इसमें जीसीएफ फैक्ट्री पर भगवान हनुमान आशीर्वाद देते हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां शिलालेख में मंदिर की कहानी लिखी हुई है।

जीसीएफ फैक्ट्री के निर्माण में यह सत्य घटना है कि फैक्ट्री के निर्माण के दौरान बार-बार बाधाएं आ रही थीं। ब्रिटिश अधिकारी स्मिथ को स्वप्न आया था जिसके बाद उन्होंने खोदाई कराई और हनुमान जी की प्रतिमा मिली। पाट बाबा मंदिर के निर्माण के बाद ही फैक्ट्री निर्बाध रूप से बन सकी। आज मंदिर के प्रति भक्तों की अटूट आस्था है।

-संजीव शर्मा, सदस्य, पाटबाबा मंदिर सेवा समिति

दिल्ली जाने वालों के लिए बड़ी सौगात, नई सुपरफास्ट ट्रेन शुरू

इंदौर। इंदौर के नागरिकों को रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने और सुगम आवागमन के उद्देश्य से रेलवे द्वारा नियमित रेल सेवा के रूप में यात्रियों को यह सुविधा दी गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 13 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ. अम्बेडकर नगर- कोटा- नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। ट्रेन नंबर 20155/20156 डॉ. अम्बेडकर नगर- नई दिल्ली- डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन का नियमित संचालन भारतीय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली 'महू' शहर के डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच किया जाएगा। इसी तरह कोटा से ट्रेन नं. 02055 कोटा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन और डॉ. अम्बेडकर नगर से 09355 डॉ. अम्बेडकर नगर ङ्क कोटा स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। मप्र, दिल्ली और राजस्थान के बीच कई क्षेत्रों में होगा फायदा

इस नई रेल सेवा के आरंभ होने से राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा को देश की राजधानी नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश में स्थित महाकाल की नगरी उज्जैन, मध्यप्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के अंतर्गत आने वाले पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों जैसे मथुरा, उज्जैन, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा, देवास एवं इंदौर के विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों राज्यों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा।

इंदौर जिले में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई प्रारंभ

अब तक 77 प्रकरणों में बनाए गए पंचनामे, जल्द होगी अर्थदंड की कार्यवाही

इंदौर। इंदौर जिले में फसलों की कटाई के बाद खेतों में नरवाई (अवशेष) जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख़्ती दिखाई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिलेभर में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का सिलसिला प्रारंभ किया गया है।

प्रशासन द्वारा अब तक नरवाई जलाने के 77 मामलों में पंचनामे तैयार किए गए हैं। संबंधित कृषकों के विरुद्ध नियमानुसार अर्थदंड की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखी जाए तथा दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे नरवाई न जलाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग दें। नरवाई जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके वैकल्पिक उपयोग के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं। वर्तमान में यह देखने में आ रहा है कि किसानों के द्वारा फसल अवशेषों में आग लगाई जा रही है। इस संबंध में क्षेत्रीय अमला जिसमें कृषि, राजस्व एवं पंचायत विभाग शामिल है। पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना का उल्लघंन पाए जाने पर मौके पर जाकर पंचानामें बनाए जा रहे हैं। आज दिनांक तक जिले की समस्त तहसीलों में कुल 77 पंचानामें तैयार किए गए है। जिन पर आगामी दिनों में मध्यप्रदेश शासन के नोटिफिकेशन प्रावधान अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना अनुसार कार्यवाही की जायेगी। ऐसा कोई व्यक्ति / निकाय/ कृषक जिसके पास 2 एकड़ तक की भूमि है तो उसकों नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 2 हजार 500 रुपये प्रति घटना के मान तथा जिसके पास 2 से 5 एकड़ तक की भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में पाँच हजार रुपये प्रति घटना के मान से तथा जिसके पास 5 एकड़ से अधिक भूमि है तो उसको नरवाई जलाने पर पर्यावरण क्षति के रूप में 15 हजार रुपये प्रति घटना के मान से आर्थिक दण्ड भरना होगा। वर्तमान में जिले में गेहूं फसल की कटाई का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, फसल की कटाई के पश्चात सामान्य तौर पर किसान भाई नरवाई में आग लगा देते है, जिससे पर्यावरण में प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी की संरचना भी प्रभावित होती है।

नशे में दोस्त ने की थी मेट्रो कर्मचारी की हत्या, लाश को टेकरी पर फेंक दिया था, यूपी से आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर की देवधरम टेकरी पर मिली लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामला हत्या का निकला। पुलिस ने उत्तर प्रदेश से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद वह पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने गांव भाग गया था। आरोपी राहुल ने नशे में हुए विवाद में अपने ही दोस्त कमलेश पासवान की हत्या कर दी थी। बता दें, नौ अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि गांधीनगर में देवधरम टेकरी के समीप एक युवक का शव पड़ा है। युवक की शिनाख्त पुलिस ने मेट्रो प्रोजेक्ट के कर्मचारी कमलेश पासवान के रूप में की थी। वह दो साल से इंदौर में था और मेट्रो प्रोजेक्ट में काम करता था। गहरे जख्म से पुलिस को आशंका थी कि उसकी हत्या की गई है, लेकिन आरोपी का सुराग नहीं लग रहा था। शराब पीने का आदी था मृतक

पुलिस को पता चला था कि कमलेश शराब पीने का आदी था। जिस दिन उसकी हत्या हुई, उस दिन भी उसने शराब पी थी। इस आधार पर पुलिस ने उसके दोस्तों की जानकारी जुटाई। पुलिस को पता चला कि उसका दोस्त राहुल घटना के बाद से इंदौर से गायब है। उस पर शंका हुई। तकनीकी जांच में पता चला कि घटना वाले दिन वह कमलेश के साथ था और हत्या के बाद वह उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक गांव चला गया।

एआई की आंधी भविष्य को नहीं हिला पाएगी क्योंकि हमारे पास भावना है

इंदौर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चाहे कितनी ही जोरदार आंधी क्यों ना आ जाए वह हमारे देश के लोगों के भविष्य को नहीं हिला पाएगी। हमारे पास भावना है, संवेदना है और विचार है।

यह विचार वक्ताओं ने भारतीय पत्रकारिता महोत्सव के विचारों तेज्जक सत्र में वक्ताओं के द्वारा व्यक्त किए गए। इस सत्र का विषय था एआई की आंधी और भविष्य। इस सत्र को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिनेश के बोहरा ने कहा कि एआई संगीत नहीं बना सकता है, कंपोज नहीं कर सकता है, गीत नहीं लिख सकता है। वह हर चीज का जवाब नहीं दे सकता है। एक मशीन में भावना नहीं होती है। जो आवाज का जादू हम लोगों के पास है वह उसके पास नहीं हो सकता है। हम जब शपथ लेते हैं तो वह शपथ हमें हमारी आत्मा दिलाती है यह एआई से संभव नहीं है। इस स्पष्ट है कि एआई की अहमियत आपसे ज्यादा नहीं है। इंसान ने ही कंप्यूटर बनाया। इंसान ने ही एआई बनाया है। एआई को हम पढ़कर नहीं काम करके ही सीख सकते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अतुल अनुजा ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में एआई वरदान है। यह एक पत्रकार की सोच को बदलने के लिए है। अब टीवी का जमाना पुराना हो गया है। इस समय जमाना डिजिटल मीडिया का है। भविष्य एआई की भूमिका पर निर्भर है। एक समय था जब ब्रेकिंग न्यूज़ से हमारा काम चलता था लेकिन आने वाले समय में ब्रेकिंग एनालिसिस से काम चलेगा। हमें अपने विचार पर फोकस करना होगा। वरिष्ठ पत्रकार सुदेश नैन ने कहा कि एआई का असर हर फील्ड पर पड़ेगा। मेडिकल की फील्ड में क्रांतिकारी असर हो रहा है। पहले कंप्यूटर आया और फिर मोबाइल आया तो उससे हमारे जीवन में आसानी हुई है।

वर्ष 2047 के सपने में अब एआई है। बहुत कुछ बदल रहा है जिसके लिए हमें भी तैयार रहना

किसानों की आवाज बनी महापंचायत, भूमि अधिग्रहण पर जताई गहरी चिंता

रामेश्वर पटेल की पुण्यतिथि पर 51 अन्नदाता हुए सम्मानित

इंदौर। पूर्व मंत्री ब्रह्मलीन रामेश्वर पटेल के पुण्य स्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किसान महापंचायत का आयोजन कर किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में यह आयोजन बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर स्कूल के समीप किया गया।

पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल और राधेश्याम पटेल के संयोजन में हुए इस आयोजन में मालवा अंचल के 51 अन्नदाताओं का सम्मान किया गया। मंच संचालन समाजसेवी मदन परमालिया ने किया, जबकि स्वागत भाषण संस्था अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता रघु परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सूरजीतसिंह चड्ढा, जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, पार्षद सीमा सोलंकी, उमराव सिंह मोर्य, राजेन्द्र मालवीय, शक्तिसिंह गोयल, मोती सिंह पटेल, राहुल पटेल, गौरव पटेल, सागर पटेल, मिथिलेश जोशी, प्रितिष राजू, जगदीश जोशी, नरेन्द्र सूर्यवंशी, जगदीश

सतैया, मनोज पाटीदार, सुशील जोशी, सागर भूरिया, कृष्ण गोपाल लड्ढा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किसान नेता हंसराज मंडलोई ने महापंचायत को संबोधित करते हुए किसानों की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि किसानों को उनकी ही जमीनों से बेदखल किया जा रहा है। आईडीए, एमपीआईडीसी नगर निगम, रेलवे, मेट्रो सहित विभिन्न विभागों द्वारा भूमि अधिग्रहण के नाम पर किसानों को गुमराह कर उनकी ज़मीन छीनी जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसान आज अपनी जमीन का मालिक नहीं रहा, बल्कि सरकार पर आश्रित होता जा रहा है। भूमि अधिग्रहण, समर्थन मूल्य में वृद्धि, सिंचाई जल संकट, नकली बीज-खाद की बिक्री, बिजली संकट और नीलगाय से फसल को नुकसान जैसे मुद्दे अब गंभीर रूप ले चुके हैं।

महापंचायत में यह भी निर्णय लिया गया कि अगर सरकार ने किसानों की समस्याओं की अनदेखी जारी रखी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

इंदौर-बुधनी रेलवे लाइन, आउटर रिंग रोड, अहिल्या पथ, इकनॉमिक कॉरिडोर पीथमपुर, लॉजिस्टिक पार्क संघर्ष समिति के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए और किसानों की जमीनों को बचाने के लिए समर्थन दिया।

महापंचायत में सरकार की योजनाओं के नाम पर किसानों पर थोपे जा रहे निर्णयों का तीखा विरोध करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गई। अंत में आभार चेतन चौधरी ने माना।

एक जिला एक औषधि उत्पाद अश्वगंधा पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

इन्दौर। राज्य औषधी पादप बोर्ड मध्यप्रदेश देवारण्य योजना अंतर्गत एक जिला एक औषधि उत्पाद ÷अश्वगंधा÷ परियोजना के अंतर्गत इंदौर जिले में जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण जिला आयुष अधिकारी द्वारा शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इंदौर में आयोजन किया गया।प्रशिक्षण में उन्नत कृषि उत्पादन,उत्पाद के संग्रहण, भंडारण, वितरण, विक्रय आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक,तकनीकी अधिकारी कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ.डी.के.मिश्रा,उद्यानिकी विभाग के उप संचालक श्री डी.एस.चौहान,कृषि महाविद्यालय, आत्मा परियोजना शर्ली थॉमस, कृषि विभाग के वरिष्ठ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एनजीओ भैयाजी दाणी सेवा न्यास,एन.आई.एम.ए. सदस्यों ने अपने विचार रखते हुए बताया कि अश्वगंधा की खेती से औषधी निर्माताओं की मांग पूरी हो सकती है और विदेश में भी उत्पादों की बहुत मांग है। आयुर्वेद पर जनसामान्य का विश्वास बढ़ेगा और स्थानीय किसानों की आजीविका भी सुनिश्चित होगी।प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षक ब्लॉक स्तर पर कृषकों को स्व-सहायता समूह,वन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण आगामी सत्रों में करेंगे।

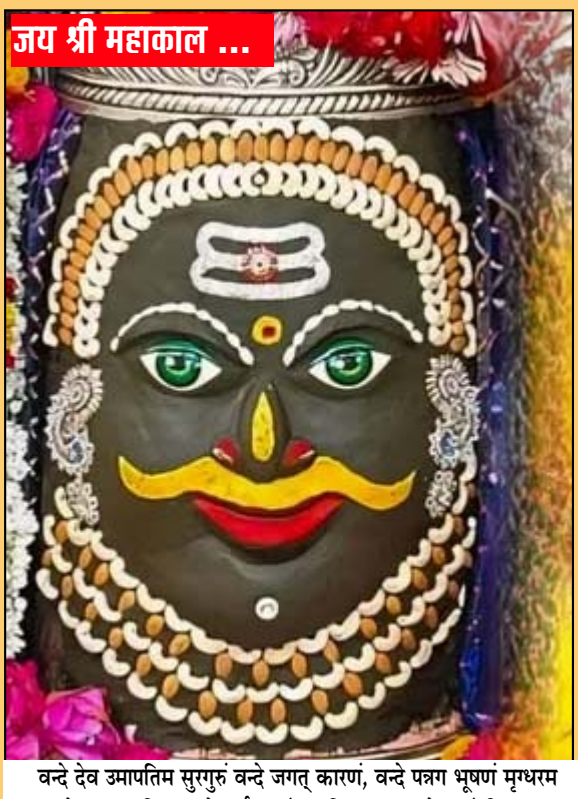

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पोषण आहार ट्रैकर एप डेटा हैक-खाते में डिलीवरी की राशि आने का दिया झांसा

हेकर ने लोगों से ओटीपी पूछकर उडाये खाते से रूपए

उज्जैन। शहर के वार्ड नंबर-54 में पोषण आहार ट्रैकर एप का डेटा हैक हो जाने के बाद यहां की गर्भवती महिलाएं ठगी की शिकार हुई हैं, जिन्हें खाते में रुपये आने की बात कहकर उनसे ओटीपी लिया गया और कुछ देर बाद उनके खाते में जमा राशि गायब कर दी गई। खाते से गायब हुई राशि को लेकर जब महिलाओं ने इस नंबर पर फिर से फोन लगाया तो या तो किसी ने वह फोन नहीं उठाया और अगर गलती से फोन उठाया भी गया तो गर्भवती महिलाओं से गालियों से बात की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग में कार्यरत ज्योति मैडम ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन दिनों विभाग में पोषण

आहार ट्रैकर एप पर ओटीपी लेकर टीएचआर देने का काम चल रहा है। जो की उज्जैन ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में किया जा रहा है। लेकिन वार्ड क्रमांक-54 में यह गड़बड़ी सामने आई है कि यहां आंगनबाड़ी में आने वाली गर्भवती महिलाओं को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन किया गया और ओटीपी मांगकर उनके खाते में जमा राशि निकाल ली गई। ऐसी धोखाधड़ी एक दो महिलाओं के साथ नहीं, बल्कि लगभग आधा दर्जन गर्भवती महिलाओं के साथ हुई है, जिनके खातों में जमा हजारों की राशि में धोखेबाजों ने निकाल ली है।

ज्योति मैडम ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के साथ हो रही ठगी की शिकायत के साथ ही इस एप को बंद करने को लेकर हम कंट्रोल रूम पहुंचे थे। जहां से हमें नागझिरी थाने पर इस मामले में प्रकरण दर्ज करवाने को कहा गया है। इसीलिए महिलाएं हो रही धोखाधड़ी का शिकार

धोखेबाजों की ठगी की शिकार दीपा ने बताया कि ज्यादातर लोग इसीलिए ठगी का शिकार हो रहे हैं। क्योंकि फोन लगाने वाले लोग उनका नाम पता और आंगनबाड़ी वाली मैडम का नाम एकदम सही बताते हैं। एकदम सही जानकारी मिलने पर लोगों को भरोसा होता है कि यह लोग आंगनबाड़ी से ही बात कर रहे होंगे। लेकिन बाद में फोन लगाने वाले लोग डिलीवरी के दौरान खातों में राशि आने के नाम पर ओटीपी मांगते हैं और बाद में इसी ओटीपी के माध्यम से पता चलता है कि खाते में कोई राशि जमा तो नहीं होती। बल्कि जमा राशि भी गायब हो जाती है। इस प्रकार की ठगी से लगभग आधा दर्जन से अधिक गर्भवती महिलाएं हजारों रुपये गंवा चुकी हैं।

श्री विराट हनुमान मंदिर पर हुआ सुंदरकांड, हुई महाआरती

उज्जैन। शिप्रा तट किनारे स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विराट हनुमान मंदिर पर हनुमान जयंती का पर्व ज्योतिष आचार्य वास्तुविद एवं पुजारी पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ला के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ।

सुबह से ही मंदिर पर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। यहां 11 वेद पंडितों द्वारा मंत्र उच्चार के साथ पूजन एवं श्री विराट हनुमान जी की विशालकाय मूर्ति का आकर्षक श्रृंगार कर गुरु प्रफुल्ल तोवर सतगुरु आश्रम नरसिंहगढ़ एवं डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ला द्वारा हनुमान जी की महाआरती संपन्न की गई। मंदिर प्रांगण में भव्य सुंदरकांड का आयोजन किया गया। गुरु प्रफुल्ल तोवर का पंडित डॉ. विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल द्वारा तिलक एवं शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया।

आपको बता दे की श्री रामेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग अति प्राचीन है एवं भगवान श्री राम ने अवन्तिका आगमन पर इसकी स्थापना की थी। साथ ही यह शिवलिंग डमरू यंत्र पर 180 डिग्री के कोण पर घूम सकता है। प्रदेश ही नहीं देशभर से श्रद्धालु इनके दर्शन हेतु यहा आते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को भगवान राम के अनन्य भक्त हनुमान जी का जन्म हुआ था। यही वजह है कि इस दिन देशभर में हनुमान जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। शास्त्रों के अनुसार, हनुमान जी का जन्म वानरराज केसरी और माता अंजना के घर चैत्र पूर्णिमा के दिन हुआ था। मान्यता है कि इस दिन विधिवत पूजा, व्रत और श्री हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी दुख-दर्द समाप्त हो जाते हैं और सुख-शांति का वास होता है। हनुमान जी को बजरंगबली, संकटमोचन और अंजनीपुत्र नामों से भी जाना जाता है।

श्री राममहल दरबार मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव (प्रकटोत्सव) मनाया

उज्जैन। श्री राममहल दरबार मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव (प्रकटोत्सव) मनाया गया। यहां पर स्थित मेहंदीपुर बालाजी की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया एवं महा आरती की गई। महा आरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया जो देर रात तक सतत जारी रहा। शाम को सुंदरकांड का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की मंदिर की अधिष्ठाता गुरु माता अंजनी सखी नीतू दीदी बाबा साहब ने बताया कि सुबह से ही भक्तों का ताता दर्शन के लिए लगा।

बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया

उज्जैन। शा. कालिदास कन्या महाविद्यालय के बास्केटबॉल ग्राउंड पर उज्जैन जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन व खेल एवं युवक कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वधान में आयोजित सत्तर दिवसीय ग्रीष्मकालीन बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर की जानकारी देते हुए बास्केटबॉल के वरिष्ठ विजय बाली व ओम सारवान ने बताया कि शिविर में सम्मिलित नन्ही खेल प्रतिभाओं में बेस्ट पचास खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें बेहतर खेल के लिए तराशा जायेगा। शिविर का अवलोकन करते हुवे पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी अंजू जाटवा ने बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए आगामी माह में होने वाली राज्य स्तर स्पर्धाओं के लिए चयनित खिलाड़ी हर्षिता रॉय, रिया करड़वाल, निशि शिंदे, खुशी आनन्द, नेहा रॉय, अवनी गोठवाल, पूर्वी पोरवाल, अनाबया खान, लक्ष्ता बिरला, यशोदा सोलंकी, खुशी राठौर, तिथी त्रिवेदी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर अरुण वर्मा, सुनीता यादव, दर्शन ठाकुर, कांतिलाल जाधव, शैलेंद्र भाटिया विशेष रूप से उपस्थित थे। शिविर के मध्य ही चयनित खिलाड़ियों की एक स्पर्धा का आयोजन भी किया जायेगा। सम्मिलित सभी खिलाड़ियों को मैडल व प्रमाण पत्र और विशेष खिलाड़ियों को प्रोत्साहित ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

गर्मी के मौसम को देखते हुए हर चौराहे पर प्याऊ लगना चाहिए- कालूखेड़ा

श्री अग्रवाल जेसिस ने गोपाल मंदिर चौक पर लगाई शीतल जल की प्याऊ

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस भी श्री अग्रवाल जेसिस द्वारा गोपाल मंदिर चौक पर शीतल जल की प्याऊ लगाई गई।

श्री अग्रवाल जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल के अनुसार प्याऊ का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, भागवत कथा वाचक संत शिवम मिश्रा, जल कार्य समिति के संयोजक प्रकाश शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष जगदीश पांचाल, पार्षद सुशील श्रीवास ने किया। कार्यक्रम के सूत्रधार विजय अग्रवाल थे। संचालन अजीत मंगलम ने किया। विधायक श्री कालूहेड़ा ने इस अवसर पर कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए शहर के प्रत्येक चौराहे पर समाजसेवी संगठन, व्यापारी संगठन प्याऊ लगाएं, हमें बूंद बूंद पानी

बचाना है और प्यासों को पानी पिलाना है। जल कार्य समिति के संयोजक प्रकाश शर्मा ने भी प्याऊ लगाने की बात पर जोर दिया। भागवत कथा कर रहे संत शिवम मिश्रा ने भी पानी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व ट्रस्टी सुरेश गोयल, जगदीश गोयल, ट्रस्टी संजय अग्रवाल, जय किशन अग्रवाल, वरिष्ठ समाज सेवी सरोज अग्रवाल, पत्रकार डॉ सचिन गोयल, केतन महेश्वरी, जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सचिव मोहित अग्रवाल, अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अर्पित अग्रवाल, इंजीनियर अंकुर अग्रवाल, पवन अग्रवाल, श्लोक अग्रवाल, विजय गोयल, बैंक डायरेक्टर राजेश गुप्ता, मनोहर गर्ग, अजय गर्ग, तरुण अग्रवाल, रवि अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। आभार अजय गर्ग ने माना।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन ने किया शहीदों का स्मरण

उज्जैन। देश की आजादी के लिए शहादत देने वाले शहीदों की पुण्य स्मृति में जलियाँवाला बाग दिवस की 106वीं वर्षगांठ पर अमृतसर (पंजाब) में शहीद स्मरण एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 13 अप्रैल को किया गया। जिसमें उज्जैन, मध्यप्रदेश सहित देश के भिन्न प्रांतों से बड़ी संख्या में शहीद व स्वतंत्रता सेनानी परिजन व उनके संगठनों ने भाग लिया।

अमर शहीदों की स्मृति में देश भर के स्वंत्रता सेनानी परिवारजनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर शहीदों एवं स्वंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत निर्माण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर स्वंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय चौबे उज्जैन, अशोक सिंधु, अजय सितलानी, गोविंद चंद्रवंशी, विकास जोशी, मनोहर सिंह तोमर, शैलेन्द्र परासर, राकेश चौरसिया आदि ने उपस्थित रहकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। यह जानकारी मनोहर परमार ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com